Newspaper	Page No.	Date
Chhattisgarh		06-06-2014

एस्सार फाउण्डेशन का नेत्र जांच-उपचार शिविर

गादीरास तथा पालनार में सैकड़ों ग्रामीणों ने कराई जांच

छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 6 जून । सामाजिक कल्याण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए एस्सार स्टील कंपनी द्वारा एस्सार फाउण्डेशन की स्थापना की गई थी। पिछले दो सालों में एस्सार फाउण्डेशन ने न सिर्फ ग्रामीणों से जुड़ने का प्रयास किया है बल्कि उनके स्वास्थ्य, शिक्षा व स्वावलंब के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया है। जिसके कारण ग्रामीणों और कंपनी के मध्य एक संवाद स्थापित हुआ है। हाल ही में ग्रामीणों के अनुरोध पर एस्सार फाउण्डेशन ने दो एवं तीन मई को पालनार में तथा चार व पांच मई को गादीरास में नि:शुल्क नेत्र जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया।

एस्सार फाउण्डेशन तथा शंकर फाउण्डेशन नेत्र चिकित्सालय विशाखापट्टनम के मध्य हुए करार के तहत इस शिविर का आयोजन किया गया, जिससे 700 से भी ज्यादा ग्रामीणों ने इसका लाभ उठाया। शंकर फाउण्डेशन के व्ही.रमेश के साथ डॉक्टर, नर्स तथा तकनीशियनों सहित 13 लोगों की टीम तथा एस्सार फाउण्डेशन के तेज प्रकाश शर्मा व सबल झा के सक्रिय सहयोग ने उक्त दोनों

शिविरों का सफल बनाया। दोनों ही शिविर में ग्राम पंचायतों के सरपंच, कंपनी के जीएम राघवलु, रामचंद्रा, श्रीनिवास, नरवीर सिंह, वर्षा झा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इस चार दिवसीय शिविर में किसी भी उम्र के व्यक्ति की आंख की बीमारी का नि:शुल्क जांच किया गया। जिन मरीजों को चश्में की आवश्यकता थी उन्हें उसी दिन डॉक्टर की सलाह पर नि:शुल्क चश्में भी दिए गए। इसके साथ ही जिन मरीजों को आंख के ऑपरेशन की आवश्यकता थी उनके नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए उन्हें शंकर फाउण्डेशन नेत्र चिकित्सालय विशाखापट्टनम भेजा गया। ऑपरेशन के लिए भेजे गए मरीजों को एस्सार फाउण्डेशन द्वारा उपलब्ध कराई गई बस द्वारा विशाखापट्टनम ले जाया गया। जहां उनका ईलाज, खाना, रहना सभी की मुफ्त व्यवस्था की गई। इसके साथ ही ऑपरेशन के तीन से चार दिनों के बाद उन्हें उसी स्थान पर छोड़ा जाएगा। एस्सार फाउण्डेशन के तेज प्रकाश के मुताबिक ऑपरेशन के बाद मरीजों को इन्फेक्शन से बचाने के लिए उन्हें तीन से चार दिन गहन चिकित्सकीय अध्ययन के लिए रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सफल होना ही किसी भी मरीज के लिए आवश्यक नहीं है, बल्कि उसके बाद होने वाले इन्फेक्शन से उसे बचाना सबसे बड़ा चैलेंज होता है। पालनार में आयोजित शिविर में 296 ग्रामीणों ने हिस्सा लिया तथा 180 से ज्यादा लोगों को पावर चश्मा दिया गया। जबकि 10 लोगों को ईलाज के लिए विशाखापट्टनम भेजा गया।

एस्सार फाउण्डेशन के सबल झा ने बताया कि गादीरास में ग्रामीणों तक इस शिविर की जानकारी पहुंचाने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रचार अभियानों को अपनाया गया। जिसके फलस्वरूप गादीरास तथा आसपास के लगभग 14 गांवों से आए हुए ग्रामीणों ने इस शिविर का भरपूर लाभ उठाया। उनके मुताबिक गादीरास शिविर में 450 ग्रामीण आए हुए थे। जिसमें से 335 को पावर वाला चश्मा दिया गया। जबकि 24 ग्रामीणों को मोतियाबिंद तथा अन्य संबंधित बीमारी होने के कारण सर्जरी के लिए विशाखापट्टनम भेजा जाना था। लेकिन अपने निजी कारणों से मात्र 19 ग्रामीणों ने ही विशाखापट्टनम जाने की हामी भरी उनके परिवार के एक सदस्य के साथ उन्हें ईलाज के लिए विशाखापट्टनम भेजा गया।